

प्रेषक,

टीकम सिंह पँवार,
संयुक्त सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य महाप्रबन्धक,
उत्तराखण्ड जल संस्थान,
देहरादून।

पेयजल अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक ^{10 दिसम्बर}~~नवम्बर~~, 2007

विषय :- वित्तीय वर्ष 2007-08 में निर्माणाधीन नगरीय पेयजल योजनाओं की वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके कार्यालय पत्र संख्या 2940/वि0अनु0/2007-08 दिनांक 17.08.2007 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2007-08 में निर्माणाधीन नगरीय पेयजल योजनाओं के अन्तर्गत उपलब्ध कराये गये प्रस्ताव रू0 1778.13 लाख के सापेक्ष निम्नानुसार रू0 101.75 लाख (रू0 एक करोड़ एक लाख पचहत्तर हजार मात्र) की धनराशि की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(धनराशि रू0 लाख में)

क्र0 सं0	विधान सभा क्षेत्र	योजनाओं की संख्या	पूर्व में अवमुक्त	माँग	स्वीकृत की जा रही धनराशि
01	02	03	04	05	06
01	बागेश्वर	01	7.00	23.00	23.00
02	गंगोत्री	01	5.00	5.87	5.87
03	रामनगर	01	8.00	17.00	6.66
04	रूद्रपुर	01	10.00	20.00	20.00
05	रानीखेत	01	10.00	11.00	11.00
06	धारचूला	01	20.00	19.40	19.40
07	विकासनगर	01	8.00	5.82	5.82
08	नरेन्द्रनगर	01	5.00	10.00	10.00
	कुल योग	08	73.00	112.09	101.75

2- स्वीकृत धनराशि का आहरण मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संस्थान के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी देहरादून के प्रतिहस्ताक्षरयुक्त बिल देहरादून के कोषागार में प्रस्तुत करके आवश्यकतानुसार ही किशतों में आहरित किया जायेगा। आहरण से सम्बन्धित बाउचर संख्या एवं दिनांक की सूचना शासन एवं महालेखाकार को तत्काल उपलब्ध कराई जाय।

- 3- स्वीकृत की जा रही धनराशि का यथाशीघ्र दिनांक 31.03.2008 तक पूर्ण उपयोग कर कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण-पत्र शासन को प्रस्तुत किया जाय। अवमुक्त की जा रही धनराशि के पूर्ण उपयोग के पश्चात उपरोक्त विवरण उपलब्ध कराने के बाद ही आगामी किस्त की अवशेष धनराशि अवमुक्त की जाय।
- 4- स्वीकृत धनराशि से कराये जाने वाले कार्यों पर उत्तर प्रदेश शासन के वित्त लेखा अनुभाग-2 के शासनादेश संख्या ए-2-87(1) दस-97-17(4)/75 दिनांक 27-02-97 के अनुसार सेन्टेज व्यय किया जायेगा तथा कार्यों की कुल लागत के सापेक्ष पूर्व में व्यय की गई धनराशि में सेन्टेज चार्ज के रूप में व्यय की गई धनराशि को समायोजित करते हुए कुल सेन्टेज चार्ज 12.50 प्रतिशत से अधिक अनुमन्य नहीं होगी। कृपया इसका कड़ाई से पालन सुनिश्चित कर आगणन में सेन्टेज की व्यवस्था उक्तानुसार ही की जाय।
- 5- उक्त स्वीकृत धनराशि से संलग्नक में उल्लिखित नगरीय पेयजल योजनाओं का क्रियान्वयन हेतु योजनावार/जनपदवार स्वीकृत धनराशि के आवंटन की सूचना धनराशि आहरण के एक सप्ताह के अन्दर शासन को अवश्य उपलब्ध करा दी जाय।
- 6- स्वीकृत धनराशि ऐसी योजनाओं पर कदापि व्यय न की जाय, जिसके संबंध में तकनीकी स्वीकृति नहीं है अथवा जो विवादग्रस्त है।
- 7- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल और फाईनेन्शियल हैण्डबुक नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अंतर्गत शासकीय अथवा सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हों, उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। निर्माण कार्यों पर व्यय करने से पूर्व आगणनों/पुनरीक्षित आगणनों पर सक्षम प्राधिकारी की टैक्निकल स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- 8- कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता अथवा इस स्तर का अधिकारी पूर्व रूप से उत्तरदायी होगा।
- 9- स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय उन्ही योजनाओं पर किया जायेगा जिनके लिये धनराशि स्वीकृत की गई है। एक योजना की धनराशि दूसरी योजना पर कदापि व्यय न की जाय। यदि ऐसा होना पाया जाता है तो इसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व विभागाध्यक्ष का होगा।
- 10- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में अनुदान सं०-13 के अंतर्गत लेखाशीर्षक "2215-जलापूर्ति तथा सफाई-01-जलपूर्ति-आयोजनागत-101-शहरी जलपूर्ति कार्यक्रम-05-नगरीय पेयजल-03-नगरीय पेयजल योजनाओं का पुनर्गठन/जीर्णोद्धार/सुदृढीकरण हेतु अनुदान-20-सहायक अनुदान/अंशदान राजसहायता" के नामे डाला जायेगा।

11- यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय सं० 586/XXVII(2)/2007 दिनांक 12 नवम्बर, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति में जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(टीकम सिंह पँवार)

संयुक्त सचिव

पृ०स० 165\ (1)/उन्तीस(2)/07-(122पे०)/2007 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड देहरादून।
2. आयुक्त गढ़वाल/कुमायूँ मण्डल उत्तराखण्ड।
3. सम्बन्धित जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
4. सम्बन्धित वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
5. प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, देहरादून।
6. निजी सचिव, मा० पेयजल मंत्री को मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
7. सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता/नोडल अधिकारी, उत्तराखण्ड जल संस्थान।
8. वित्त अनुभाग-2/वित्त (बजट सैल)/नियोजन प्रकोष्ठ उत्तराखण्ड।
9. स्टाफ आफिसर-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
10. निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
- ✓ 11. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
12. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(नवीन सिंह तड़ागी)

उप सचिव